THE BHARAT SCOUTS AND GUIDES

Creating - Better India

बिगिनर्स कोर्स पुस्तिका

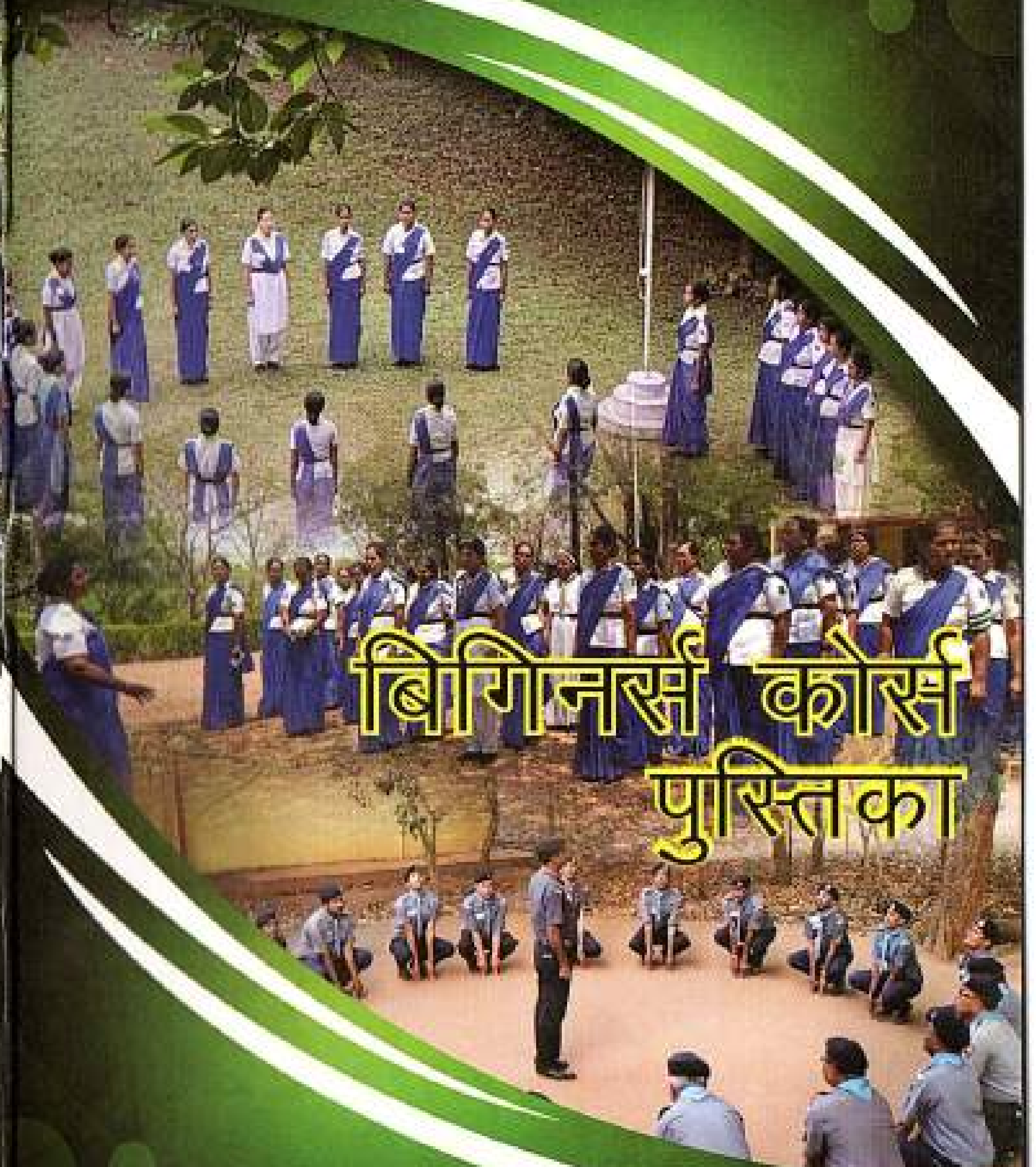

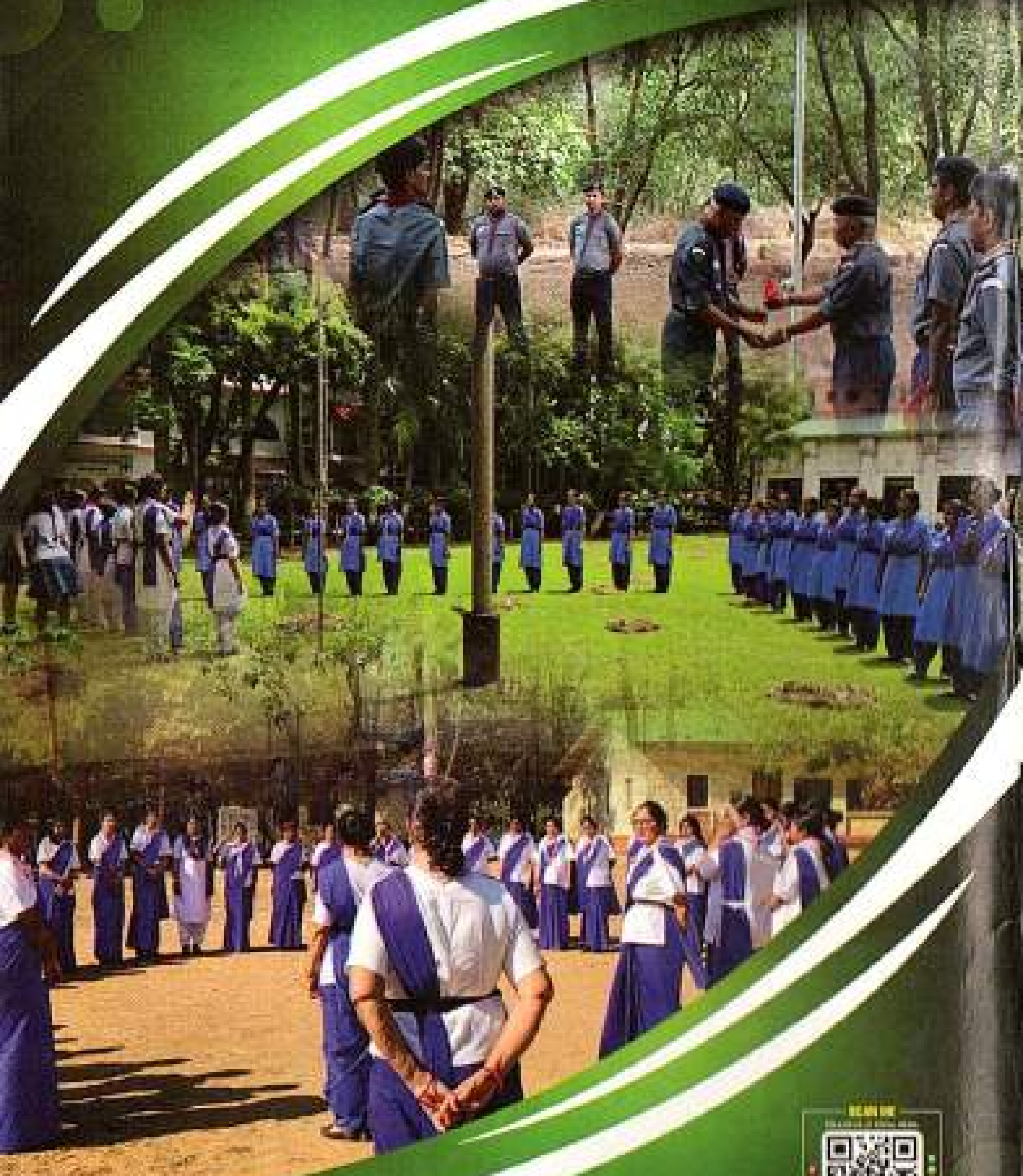

BSG

Creating - Better India

प्रकाशक : निदेशक
भारत स्काउट्स एवं गाइड्स,
राष्ट्रीय मुख्यालय, लक्ष्मी मजूमदार भवन, 16 महात्मा गांधी मार्ग
इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली-110002
Website : www.bsgindia.org E-mail : info@bsgindia.org

बिगिनर्स कोर्स पुस्तिका

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स

राष्ट्रीय मुख्यालय
16, महात्मा गाँधी मार्ग, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली–110002
दूरभाष: 011-23370724, 23378667 फैक्स : 0091-11-23370126
ई-मेल: info@bsgindia.org वेब: www.bsgindia.org

बिगिनर्स कोर्स पुस्तिका

© भारत स्काउट्स एवं गाइड्स
सर्वाधिकार सुरक्षित

संकलित :

- श्री आर. के. कौशिक,
  निदेशक
- श्री कृष्णास्वामी आर.
- **कार्यकारी निदेशक**
- श्री एम. एस. कुरेशी,
  संयुक्त निदेशक (रा. प्र. के.)
- श्री अरूप सरकार,
  प्रभारी उपनिदेशक स्काउट (परियोजना)

अनुवादक : श्री बबलू गोस्वामी,
क्षेत्रीय संगठन आयुक्त (स्काउट) पूर्व क्षेत्र

प्रकाशक : **निदेशक**, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स,
राष्ट्रीय मुख्यालय,
लक्ष्मी मजूमदार भवन, 16 महात्मा गांधी मार्ग,
इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली-110002

मूल्य : रुपये 50/-

मुद्रक : **दीया मीडिया आर्ट**
डी-41/ए, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092

स्रोत पुस्तकें : 1. ए.पी.आर.ओ. (II) एवं (III)
2. ट्रेनर्स हैन्डबुक
3. www.scout.org

प्रस्तावना

मेरे सभी नेताओं प्रशिक्षकों को बधाई!

बिगिनर्स कोर्स की पुस्तिका से आपको परिचय कराना मेरे लिए गर्व की बात है। हमारे पास जो वयस्क/युवा हैं वे किसी या अन्य कारणवश बेसिक कोर्स करने में असमर्थ है, ऐसा करने की इच्छा के बावजूद, वे खुद को और बच्चों को भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के इस महान विश्वव्यापी आन्दोलन में शामिल होने से वंचित कर देते हैं।

इसलिए केवल चार घंटे के पाठ्यक्रम के बाद अपनी खुद की यूनिट शुरू करने और चलाने के लिए व्यस्क युवाओं को प्रेरित करके इस आन्दोलन में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए की गई एक पहल है।

स्काउटिंग एवं गाइडिंग युवाओं के सम्पूर्ण शारीरिक, बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक पहलुओं को व्यक्तिगत और जिम्मेवार नागरिक के रूप में विकसित करने वाला एक विश्वव्यापी आन्दोलन है। आप एक वयस्क के रूप में इसमें योगदान दे सकते हैं। हमारे संस्थापक के शब्दो में, 'आप जो प्राप्त करते हैं उससे जीवन बनते हैं लेकिन आप जो देते हो उसके अनुसार जीवन बनाते हैं।' इसलिए हम सभी एक साथ आए और इस आन्दोलन की वृद्धि में सबसे सरल तरीके से अपना सर्वोत्तम योगदान दें।

मैं आशा और प्रार्थना करता हूँ कि आप आगे आए और हमारे साथ कन्धे से कन्धा मिलायें।

शुभकामना सहित

डॉ. के.के. खण्डेलवाल, आए.ए.एस. (सेवानिवृत्त)

मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त

परिचय

स्काउटिंग/गाइडिंग प्रत्येक युवा का एक अधिकार है अतः वयस्कों का यह कर्त्तव्य है कि युवाओं के लिए स्काउटिंग/गाइडिंग को और अधिक सुविधाजनक बनायें। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के विकास को आगे बढ़ाने के क्रम में, यूनिट लीडर्स की आवश्यकता है। लेकिन लीडर्स सामान्य कारणवश यूनिट चलाने में असमर्थ है क्योंकि उन्होंने बेसिक कोर्स नहीं किया है। जिससे कि हजारों युवा स्काउटिंग गाइडिंग का आनन्द लेने के लिए पंक्तिबद्ध हैं। यह पुस्तिका एक यूनिट प्रारम्भ करने और उसे चलाने हेतु वयस्कों को "मार्ग मानचित्र" के रूप में मददगार हैं। इस चार घंटे के कोर्स में भाग लेने के तुरन्त बाद वे युनिट शुरू करने एवं चलाने के हकदार हैं।

स्काउटिंग/गाइडिंग एक महान संस्था है। ईश्वर ने आपका चयन किया और युवाओं की सेवा का एक सुन्दर अवसर प्रदान किया है। प्रत्येक पुरुष या स्त्री का जन्म एक राजकुमार या राजकुमारी के रूप में हुआ है परन्तु धीरे-धीरे वे एक कुएँ के मेंढ़क बन जाते हैं। वे स्काउटिंग/गाइडिंग में होना चाहते हैं। यह हमारा दायित्व है कि उन्हें स्काउट/गाइड बनायें।

आइए हम अपने सपनों को वास्तविकता में परिवर्तित करने हेतु एक साथ हाथ मिलाएँ।

संपादक

लोर्ड रॉबर्ट स्टीफेन्सन स्मिथ बेडेन पॉवेल (22.02.1857 - 08.01.1941)

ऑलेव सेन्ट क्लेयर बेडेन पॉवेल (22.02.1889 - 25.06.1977)

सदस्यता पदक (बैज)

कब/बुलबुल	स्काउट/गाइड	रोवर/रेंजर
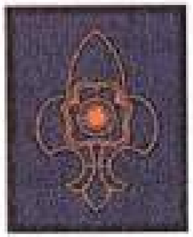	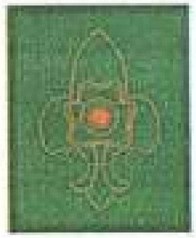	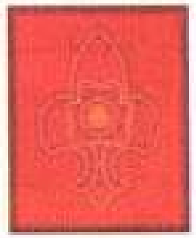

ऑन लाइन द्वारा स्काउट्स/गाइड सामान हेतु
Scout Shop India
www.scoutshopindia.in
भारत स्काउट्स एंव गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय
या ईमेल - supply@bsgindia.org

विषय - सूची

1.	कोर्स संचालन	01
2.	स्काउटिंग/गाइडिंग की कहानी	02
3.	स्काउटिंग/गाइडिंग क्या है।	07
4.	संस्था के विभिन्न अनुभाग	09
5.	प्रतिज्ञा और नियम	10
6.	आदर्श वाक्य, चिन्ह, सैल्यूट और बाँया हाथ मिलाना	12
7.	संगठनात्मक संरचना	14
8.	युनिट कैसे शुरू और पंजीकृत करें तथा युनिट मिटिंग कैसे करें।	16
9.	युनिट लीडर की उन्नति	22
10.	विविध	23

कोर्स संचालन

बिगिनर्स कोर्स हेतु सुझाया गया कार्यक्रम

08:30	:	रिपोर्टिंग और पंजीकरण
09:30	:	एकीकरण सत्र और कोर्स उद्देश्य
10:00	:	स्काउटिंग/गाइडिंग की कहानी
10:20	:	स्काउटिंग/गाइडिंग क्या है
10:50	:	संस्था के विभिन्न अनुभाग
11:10	:	प्रतिज्ञा और नियम
11:30	:	आदर्श वाक्य, चिन्ह, सैल्यूट, और बाँया हाथ मिलाना (प्रायोगिक)
11:50	:	संगठनात्मक संरचना
12:10	:	युनिट कैसे शुरू और पंजीकृत करें तथा यूनिट मीटिंग कैसे करें
12:40	:	युनिट लीडर की उन्नति
12:55	:	अन्तिम बात और समापन

कोर्स उद्देश्य

कोर्स की समाप्ति पर प्रतिभागी सक्षम होंगे–

01. स्काउटिंग/गाइडिंग की संकल्पना को समझने में

02. वर्तमान समाज में स्काउटिंग/गाइडिंग की आवश्यकता को पहचानने में।

03. एक नई यूनिट शुरू एवं संचालित करने और जिले के साथ यूनिट का पंजीकरण करने में।

कौन संचालित कर सकता हैः

किसी भी विभाग में एल.टी./ए.एल.टी./एच.डब्ल्यू.बी., एच.डब्ल्यू.बी. धारक की अनुपलब्धता में वरीय एडवान्स प्रशिक्षित युनिट लीडर कोर्स का संचालन कर सकते हैं।

कौन अधिकृत कर सकता हैः

सम्बन्धित जिला प्रशिक्षण आयुक्त

कौन भाग ले सकता हैः

- कब/बुलबुल युनिट के लिए – 18 वर्ष एवं ऊपर
- स्काउट/गाइड युनिट के लिए – 18 वर्ष एवं ऊपर
- रोवर/रेंजर युनिट के लिए – 21 वर्ष एवं ऊपर

स्काउटिंग/गाइडिंग की कहानी

प्रारम्भिक शुरूआत

सन् 1907 में इसकी शुरूआत 20 लड़कों के प्रायोगिक शिविर के साथ हुई। सन् 1907 में अगस्त के पहले नौ दिन के दौरान ब्राउन सी द्वीप (इग्लैंड) में जेरसेट के पास, सफल शिविर आयोजित किया गया है। शिविर की अपार सफलता और आयोजक रोबर्ट बेडेन पॉवेल ने सिद्ध किया कि उनके प्रशिक्षण और विधि ने युवाओं को और वास्तविक कार्यो को आकर्षित किया। जनवरी 1908 में बेडेन पॉवेल ने "स्काउटिंग फॉर बायॅज" का प्रथम संस्करण प्रकाशित किया। यह एक तत्कालिक सफलता थी और अब तक ग्रन्थ की 100 मिलियन प्रतियाँ बिक चुकी हैं। जो हमेशा के लिए सर्वाधिक बिकने वाली पुस्तक बनी। बेडेन पॉवेल ने केवल लड़कों को प्रशिक्षण देने की विधि प्रदान की, कुछ ऐसा कि मौजूदा युवा संस्था जैसे बॉयज ब्रिगेड और वाई.एम.सी.ए. अपना सकें। आश्चर्य, युवा अपने लिए विश्व की सबसे बड़ी युवा संगठन के रूप में बनाना शुरू कर दिया।

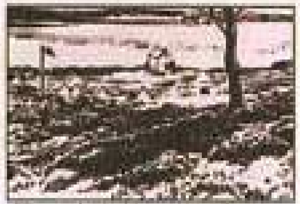

BP's own sketch of the experimental camp at Brownsea Island, (off Dorset, England) August 1907.

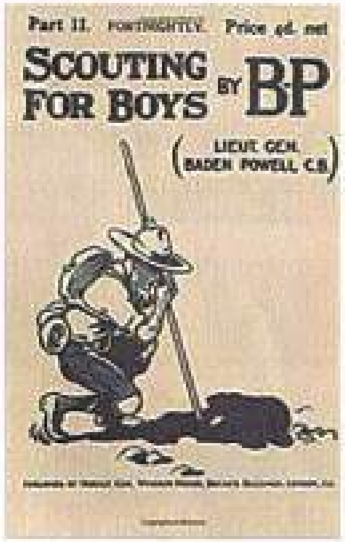

आन्दोलन का विस्तार

"स्काउट फॉर बॉयज" की सफलता ने एक संगठन का निर्माण किया जिसने जल्दी ही द ब्आय स्काउट का नाम ले लिया "1909 में दि स्काउटिंग फॉर बॉयज" को पाँच भाषाओं में अनुवाद किया गया और एक स्काउट रैली लन्दन में 11000 से अधिक स्काउटस आकर्षित हुए। बेडेन पॉवेल के दक्षिण अमेरिका में छुट्टियाँ मनाने के परिणाम स्वरूप "चिली" ब्रिटेन से बाहर स्काउटिंग शुरू करने वालों में से पहला देश था। सन् 1910 ई. में उन्होंने कनाडा और संयुक्त राष्ट्र जहाँ पहले से ही स्काटिंग व गाइडिंग आन्दोलन शुरू हो चुका था का भ्रमण किया। सन् 1914 में प्रथम विश्व युद्ध आने से संगठन का पतन हो सकता था लेकिन टोली विधि (पेट्रोल सिस्टम) के माध्यम से युवाओं को प्रदान किया गया प्रशिक्षण इसके लायक साबित हुआ। पेट्रोल लीडर्स ने पदभार सम्भाला जब वयस्क लीडर सक्रिय सेवा के लिए स्वेच्छापूर्वक जा रहे हैं। स्काउट्स ने इंग्लैंड में कई तरीकों से युद्ध के प्रयासों में योगदान दिए थे। सबसे उल्लेखनीय शायद समुद्री स्काउट्स थे जिन्होंने नियमित तट रक्षकों की जगह ली। उन्हें सेवा के लिए नियुक्त किया गया। सन् 1920 ई. में प्रथम विश्व स्काउटस जम्बूरी लन्दन के ओलम्पिया में 8 हजार प्रतिभागियों के साथ हुई और यह साबित किया कि विभिन्न देशों के युवा साधारण हित और आदर्शों को पूरा करने के लिए एक साथ आ सकते हैं।

प्रारम्भिक स्काउट कार्यक्रम

स्काउटिंग 11 से 18 वर्ष के लड़कों के लिए कार्यक्रम के रूप में शुरू हुई। अन्य लोग भी आन्दोलन में लगभग तुरन्त भाग लेना चाहते थे। सन् 1910 में "गर्ल गाइड्स" कार्यक्रम को बेडेन पॉबिल के द्वारा शुरू किया गया था जिसके प्रबन्धन के लिए अपनी बहन एगनेस को नियुक्त किया गया। सन् 1915 ई. में रोबर्ट बेडेन पॉबिल गर्ल गाइड्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बने और उनकी

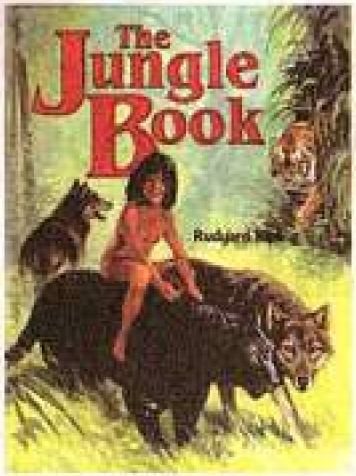

पत्नी ऑलिव जिनसे उन्होंने 1912 में विवाह किया, नई मुख्य गाइड (चीफ गाइड) बनी। सन् 1916 ई में छोटे लड़कों के लिए एक वुल्फ कब अनुभाग का गठन किया गया था। जिसमें गतिविधियों के लिए एक कल्पनाशील प्रतिकात्मक रूप रेखा के लिए रूडयार्ड किपलिंग की "जंगल बुक" का उपयोग किया। सन् 1918 ई. में बड़े लड़कों के लिए एक रोवर स्काउट इकाई (शाखा) का गठन किया गया था।

विश्व युद्ध

दो विश्व युद्धों के बीच स्काउटिंग का विकास दुनिया के सभी हिस्सों में जारी रहा, सिवाय अधिनायक देशों में जहाँ इसे प्रतिबन्धित किया गया था। स्काउटिंग स्वैच्छिक और लोकतान्त्रिक सिद्धान्तों पर आधारित है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान स्काउट्स ने कई सेवा कार्य किये यथा—संदेशवाहक, आग बुझाने वाला, स्ट्रेचर वाहक, निस्तारण संग्राहक प्रमुख और बहुत सारे।

साठवीं, सत्तरहवी और अस्सीवीं

कई देशों ने इन दशको में अपनी-अपनी स्वतन्त्रता प्राप्त की। विकासशील देशों में स्काउटिंग को धीरे-धीरे एक युवा कार्यक्रम के रूप में विकसित किया गया, जिससे प्रत्येक देश में लीडर्स ने अपने समुदाय की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु रूपरेखा तैयार की। स्काउट्स विशेष रूप से विकासशील देशों में बाल

स्वास्थ्य, कम लागत वाले आवास प्रशिक्षण इत्यादि जैसे मुद्दों में अधिक शामिल हुए। नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम, जीवन कौशल प्रशिक्षण, विकलांगों का एकीकरण, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा और शान्ति शिक्षा विश्व भर के स्काउट्स के लिए चिन्ता का विषय बन गये।

साम्यवादी युग के बाद

1990 के दशक में स्काउटिंग का पुनर्जन्म प्रत्येक देश में हुआ जहाँ द्वितीय विश्व युद्ध से पहले अस्तित्व में थी और यह स्वतन्त्र राज्यों के कॉमनवेल्थ के स्वतन्त्र देशों में शुरू हुआ (पूर्व में यू.एस.एस.आर.)।

शताब्दी वर्ष और उससे आगे

सन् 2007 में आन्दोलन ने अपनी स्काउटिंग के शताब्दी वर्ष और 2010 में गाइडिंग के शताब्दी वर्ष को मनाया। ब्राउनसी द्वीप पर एक छोटे से शिविर से शुरू हुआ यह आन्दोलन आज विश्व के लगभग सभी देशों में सदस्यों के साथ बढ़ रहे हैं। साहसिक कार्य, शिक्षा और आनन्ददायक के अद्वितीय संयोजन के माध्यम से निरन्तर रूप से नवीनीकृत होने और एक बदलती दुनिया और युवाओं की विभिन्न आवश्यकताओं और रुचियों के अनुकूल प्रबन्धन करता है। ऐसा करने के लिए यह सक्रिय स्थानीय और वैश्विक नागरिकों के लिए प्रेरणा बन रहा हैं जिससे उन्हें एक बेहतर दुनिया बनाने में मदद मिलेगी। वर्ल्ड ऑर्गानाइजेशन ऑफ स्काउट आन्दोलन के साथ

पूरे विश्व से 200 से अधिक देश और क्षेत्र जिसमें 40 मिलियन से अधिक स्काउट्स युवा, और वयस्क पुरुष और महिलाएँ शामिल हैं और वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ गर्ल गाइड्स और गर्ल स्काउट्स के साथ 150 देशों और क्षेत्र जिसमें 10 मिलियन गाइड्स युवा और वयस्क महिलाएँ हैं। हर क्षेत्र में प्रमुख लोगों सहित कुल 500 मिलियन लोगों स्काउट/गाइड में सम्मिलित हुए।

भारत में स्काउटिंग/गाइडिंग

भारत में स्काउटिंग 1909 ई. में शुरू हुई। 07 नवम्बर, सन् 1950 को बॉय स्काउट एसोसिएशन और हिन्दुस्तान स्काउट एसोसिएशन को दि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के अन्तर्गत विलय किया गया। द गर्ल गाइड एसोसिएशन औपचारिक रूप से 15 अगस्त 1951 को द भारत स्काउट्स एवं गाइड्स में शामिल हो गई। द भारत स्काउट्स एवं गाइड्स सोसाइटीज पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत एक पंजीकृत सोसायटी है। यह पूरी तरह से स्वैछिक, गैर राजनीतिक और धर्मनिरपेक्ष संगठन है।

स्काउटिंग/गाइडिंग क्या है

स्काउटिंग–विश्व का अग्रणी शैक्षिक युवा आन्दोलन

स्काउटिंग/गाइडिंग है-

- जीवन के लिए शिक्षा
- एक खेल
- एक उद्देश्य के साथ आनन्द
- एक विधि
- एक कार्यक्रम
- युवाओं के लिए एक आन्दोलन
- अन्तरराष्ट्रीय
- वृद्धि
- सभी के लिए खुला
- स्वयं सेवी
- गैर राजनीतिक
- गैर सरकारी
- साहसिक
- वयस्क के लिए एक अवसर

हम प्राप्त करते हैं – युवा सशक्तिकरण

हम बनाते हैं – सक्रिय नागरिक

हम विकसित करते हैं – जीवनपर्यन्त मूल्य और कौशल

हम व्यस्त रखते हैं – शान्ति शिक्षा में

स्काउटिंग/गाइडिंग के चार स्तम्भ

- चरित्र एवं कार्य कुशलता
- स्वास्थ्य एवं बल
- हस्तकला एवं कौशल
- सेवा

स्काउट्स/गाइड्स एक बेहतर दुनिया बनाते हैं

संस्था के विभिन्न अनुभाग

स्काउट विभाग के अनुभाग और यूनिटः

01. बन्नी – तीन से पाँच वर्ष

बन्नी टमटोला - बन्नी आंटी - बीस से अधिक बन्नी नहीं

02. कब - पाँच से दस वर्ष

कब पैक - कब मास्टर - बारह से चौबीस कब्स्

03. स्काउट - दस से सत्रह वर्ष

स्काउट दल - स्काउट मास्टर - बारह से बत्तीस स्काउट्स

04. रोवर - पन्द्रह से पच्चीस वर्ष

रोवर क्रू - रोवर स्काउट लीडर- छः से चौबीस रोवर्स

गाइड विभाग के अनुभाग और यूनिटः

01. बन्नी - तीन से पाँच वर्ष

बन्नी टमटोला - बन्नी आंटी - बीस से अधिक बन्नी नहीं

02. बुलबुल- पाँच से दस वर्ष

बुलबुल फ्लॉक - फ्लॉक लीडर- बारह से चौबीस बुलबुलस्

03. गाइड - दस से सत्रह वर्ष

गाइड कम्पनी - गाइड कैप्टन - बारह से बत्तीस गाइड्स

04. रेंजर - पन्द्रह से पच्चीस

रेंजर टीम - रेंजर लीडर - छः से चौबीस रेंजर्स

प्रतिज्ञा और नियम

स्काउट विंग

कब प्रतिज्ञा

मैं प्रतिज्ञा करता हूं कि मैं ईश्वर
और अपने देश के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करूँगा।
कब नियम का पालन करूँगा, तथा
प्रतिदिन भलाई का एक कार्य करूँगा।

स्काउट और रोवर प्रतिज्ञा

मैं मर्यादापूर्वक प्रतिज्ञा करता हूं कि मैं यथाशक्ति ईश्वर
और अपने देश के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करूँगा
दूसरों की सहायता करूँगा और स्काउट नियम का पालन करूँगा।

कृपया ध्यान दें:

- अगर आवश्यकता हो तो ''धर्म'' शब्द को ईश्वर शब्द के स्थान पर प्रतिस्थापित किया जा सकता है।
- "दीक्षा संस्कार" के अवसर पर प्रतिज्ञा ली जानी है और एक रोवर जो पहले से एक स्काउट हैं प्रतिज्ञा दोहराता है।

कब नियम

(1) कब आज्ञाकारी होता है।
(2) कब स्वच्छ और विनम्र होता है।

स्काउट नियम

(1) स्काउट विश्वसनीय होता है।
(2) स्काउट वफादार होता है।
(3) स्काउट सबका मित्र एवं प्रत्येक दूसरे स्काउट का भाई होता है।
(4) स्काउट विनम्र होता है।
(5) स्काउट पशु पक्षियों का मित्र और प्रकृति प्रेमी होता है।
(6) स्काउट अनुशासनशील होता है और सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करने में सहायता करता है।
(7) स्काउट साहसी होता है।
(8) स्काउट मितव्ययी होता है।
(9) स्काउट मन, वचन और कर्म से शुद्ध होता है।
(10) स्काउट और गाइड [illegible]

गाइड विंग

बुलबुल प्रतिज्ञा

मैं प्रतिज्ञा करती हूं कि मैं ईश्वर और
अपने देश के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करुँगी।
बुलबुल नियम का पालन करुँगी, तथा
प्रतिदिन भलाई का एक कार्य करुँगी।

गाइड और रेंजर प्रतिज्ञा

मैं मर्यादापूर्वक प्रतिज्ञा करती हूं कि मैं यथाशक्ति ईश्वर
और अपने देश के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करुँगी
दूसरों की सहायता करुँगी, और गाइड नियम का पालन करुँगी।

कृपया ध्यान दें:

- अगर आवश्यकता हो तो ''धर्म'' शब्द को ईश्वर शब्द के स्थान पर प्रतिस्थापित किया जा सकता है।
- "दीक्षा संस्कार" के अवसर पर प्रतिज्ञा ली जानी है और एक रेंजर जो पहले से एक गाइड हैं प्रतिज्ञा दोहराती है।

बुलबुल नियम

(1) बुलबुल आज्ञाकारी होती है।
(2) बुलबुल स्वच्छ और विनम्र होती है।

गाइड नियम

(1) गाइड विश्वसनीय होती है।
(2) गाइड वफादार होती है।
(3) गाइड सबकी मित्र एवं प्रत्येक दूसरी गाइड की बहन होती है।
(4) गाइड विनम्र होती है।
(5) गाइड पशु पक्षियों की मित्र और प्रकृति प्रेमी होती है।
(6) गाइड अनुशासनशील होती है और सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करने में सहायता करती है।
(7) गाइड साहसी होती है।
(8) गाइड मितव्ययी होती है।
(9) गाइड मन, वचन और कर्म से शुद्ध होती है।

आदर्श वाक्य, चिन्ह, सैल्यूट और बायाँ हाथ मिलाना

आदर्श वाक्य

अनुभाग	आदर्श वाक्य
बन्नी	मुस्कराते रहो
कब/बुलबुल	कोशिश करो
स्काउट/गाइड	तैयार
रोवर/रेंजर	सेवा

चिन्हः

चिन्ह विश्व के किसी भी भाग में स्काउट/गाइड के रूप में आपकी पहचान कराता है। चिन्ह दीक्षा संस्कार के समय और स्काउट/गाइट प्रतिज्ञा दोहराते समय दिया जाता है।

स्काउट/गाइड चिन्ह कन्धे के सीध तक दाहिना हाथ उठा हो, तीन अंगुलियाँ सीधे साथ में, हथेली सामने की ओर और छोटी अंगुली अंगूठे से दबी होती है।

सैल्यूट

सैल्यूट आपसी सम्मान और सद्भावना की अभिव्यक्ति है। यह सम्मान और अच्छे शिष्टाचार का प्रतीक है। यह उस व्यक्ति का स्वाधिकार है जो पहले देखता हैं वही सर्वप्रथम करता है।

दाहिने हाथ को अच्छे तरीके से कंधे के स्तर तक उठाकर कर सलामी दी जाती है जिसमें हथेली के आगे की तीन अंगुली सीधी तनी हुई, पहली बार माथे को दाँई भौं से ऊपर एक इंच छूना और अंगूठे को छोटी अंगुली पर बंद करना और हाथ के बाद, सामने की ओर जल्दी और चालाकी से अंगुलियों को मोड़ते हुए हाथ को नीचे लाया जाता है। शिष्टाचार दूसरे व्यक्ति को हाथ नीचे लाने से पहले सलामी लेने की अनुमति देना है।

बाँया हाथ मिलाना

मुस्कान के साथ बाँया हाथ, बाँये हाथ से हाथ मिलाना और दायें से सैल्यूट करना ये आन्दोलन की विशेषता है। संस्थापक ने आन्दोलन के सदस्यों के अभिवादन के रूप में बाँये हाथ मिलाने की कल्पना की। यह विचार दक्षिण अफ्रीका में उनके सैन्य जीवन की एक घटना से उन्मुख है। जब कर्नल बेडेन पॉवेल ने 1860 ई. में अशान्ति जनजाति के राजधानी शहर में प्रवेश किया, उन्हीं प्रमुखों में से एक ने उनका अभिवादन करते हुए औपचारिक रूप से अपने बाँए हाथ को बढ़ाया, बी. पी. ने उसका दाहिना हाथ पकड़ लिया। लेकिन उनके प्रमुख ने कहा कि मेरे देश में बहादुरों के बहादुर बाँयें हाथ से हाथ मिलाते हैं।

संगठनात्मक संरचना

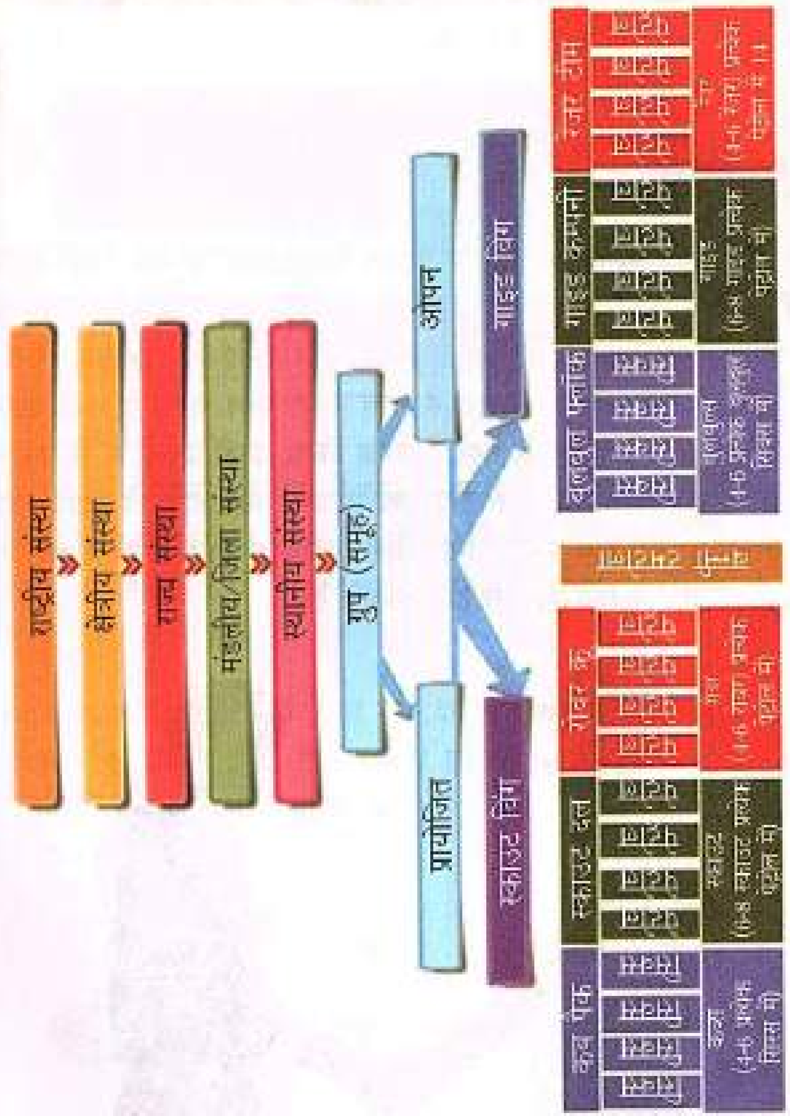

सभाग या जिले की संगठन संरचना

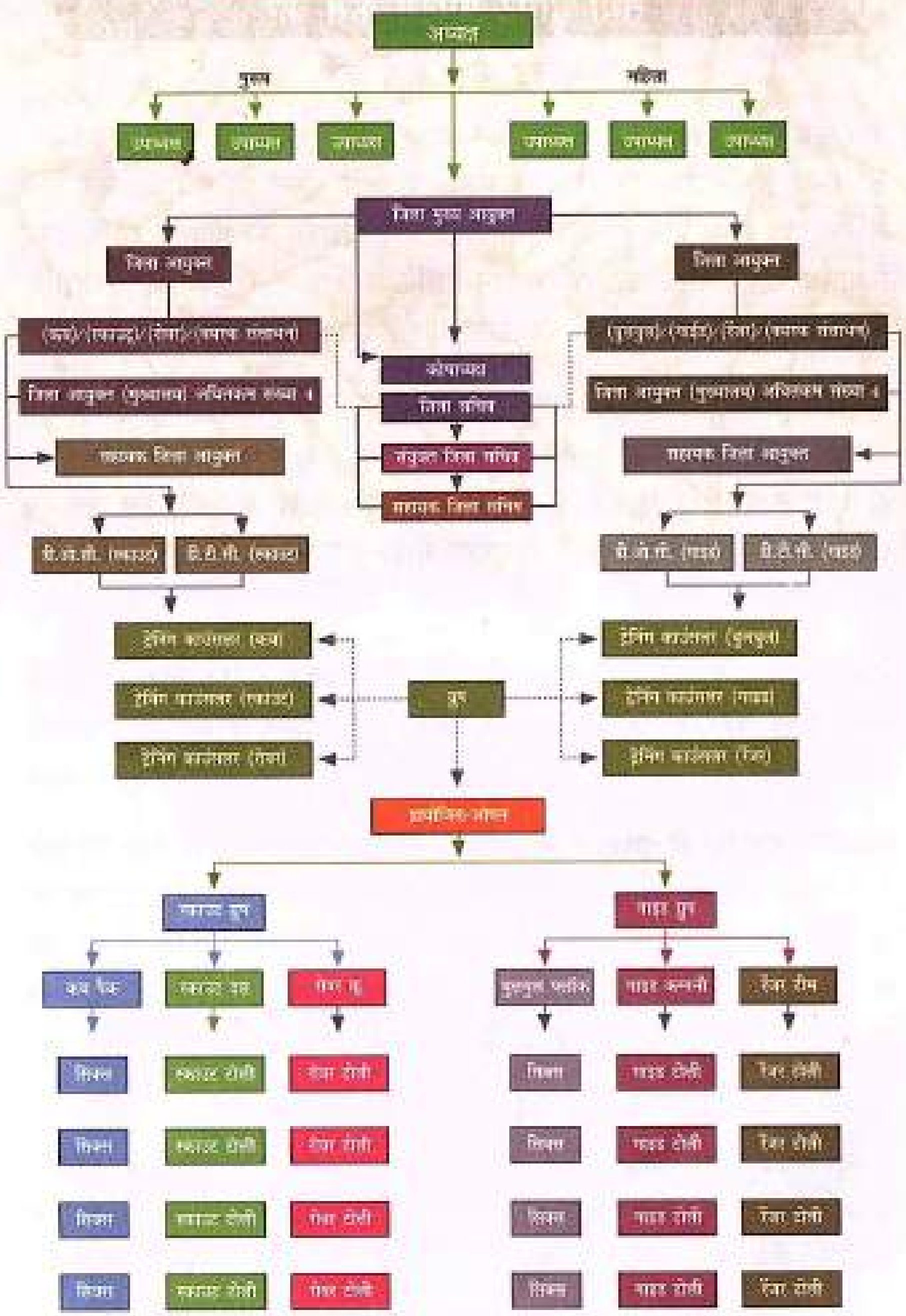

यूनिट कैसे शुरू और पंजीकृत करें तथा यूनिट मीटिंग कैसे करें

यूनिट कैसे शुरू करें

कैसे शुरू करें : बिगिनर्स कोर्स पूरा होने के बाद, यह यूनिट शुरू करने और चलाने का समय है। स्थानीय संस्था/जिला संस्था के साथ यूनिट भी पंजीकृत करें जैसी जरूरत हो। यूनिट शुरू करने के लिए स्काउटिंग/गाइडिंग का विवरण देने के लिए विद्यालय/महाविद्यालय के प्रधान से अनुरोध किया जाता है और स्काउटिंग/गाइडिंग में शामिल होने के लिए जो इच्छुक उम्मीदवार हैं उनको आमन्त्रित करते हैं।

सूचना पट्ट (नोटिस बोर्ड) : विद्यालय/महाविद्यालय के सूचना पट्ट पर एक सूचना लगायी जानी चाहिए जिसमें यूनिट लीडर का नाम, उम्र, पता और मोबाइल नम्बर हो। इस सम्बन्ध में जो छात्र इच्छुक हो उनसे अभिभावक की अनुमति माँगी जा सकती है। एकत्रित होने के लिए सूचना में निश्चत समय और तिथि उल्लेखित किया जाना चाहिए।

प्रेरक बात : यूनिट लीडर को स्कूल की सम्बन्धित कक्षाओं में एक प्रेरक बात करने के लिए भी कहा जा सकता है वह स्काउटिंग फॉर बॉयज से कुछ कहानियाँ भी जोड़ सकता है।

उपकरण (सामग्री) की दुकान : यूनिट लीडर जो पहले से ही बिगिनर्स कोर्स कर चुके हैं वे जिला स्तर के उपकरण की दुकान पर झंडा, अन्य सामग्री और साहित्य की खरीद के लिए पूछताछ कर सकते हैं। क्योंकि यह भी सुनिश्चित करना है कि जहाँ से वर्दी और बैज की सामग्री खरीदी गयी हो वह अच्छे तरीके से सिलाई करना भी जानता हो। ताकि वह अपनी यूनिट के लिए वर्दी सिलाने के लिए सम्बन्धित दर्जी का मार्ग दर्शन कर सके।

यूनिट रिकार्ड (अभिलेख) : एक यूनिट लीडर को यूनिट के सभी सदस्यों का विवरण रजिस्टर में (बनायें जिसमें) नाम, पता, जन्मतिथि, मोबाइल नम्बर, माता पिता के मोबाइल नम्बर, शामिल होने की तारीख इत्यादि। तदानुसार उसे पेट्रोल/सिक्स बनाना होगा।

आवेदन प्रपत्र : यूनिट को स्थानीय/जिला संस्था के साथ पंजीकृत होने के लिए एक नमूना प्रपत्र संलग्न है और आवश्यक शुल्क संस्था को भुगतान किया जा सकता है और वारंट प्राप्त कर सकते हैं। जो यूनिट चलाने के लिए सम्बन्धित राज्य के बैनर के तहत प्राधिकृत किया जाता है।

प्रवेश की आवश्यकताएँ : यूनिट लीडर को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रवेश बैज की आवश्यकताओं को यूनिट के सदस्यों द्वारा उन्हें प्रवेश बैज देने से पहले पूरा किया जाना चाहिए। यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि यूनिट मीटिंग समय-समय पर आयोजित की जाए और शिक्षण की विधि उनके सम्बन्धित अनुभाग के आधार पर होगी। शुरूआत के महीने में यूनिट लीडर को उन्हें इस तरह से प्रेरित करना होता है कि यूनिट के सदस्य अगली बैठक में शामिल होने के लिए उत्सुक हों। धीरे-धीरे यूनिट लीडर को ए.पी.आर.ओ. के अनुसार गतिविधियों के माध्यम से जाना चाहिए। यह सलाह दी जाती है कि दीक्षा संस्कार के समय यदि माता-पिता को आमन्त्रित किया जाता है तो समारोह पूरी तरह से पवित्रता से भरा होगा।

शुल्क : प्रत्येक दल को जिला संस्था से सम्बधता शुल्क (यूनिट के लिए) और व्यक्तिगत पंजीकरण शुल्क का भुगतान करना होगा जैसा राज्य संस्था द्वारा तय किया गया हो।

यूनिट-मीटिंग का संचालन

नमूना-फलॉक मीटिंग (60 मिनट) बुलबुल हेतु

एकत्र होना एवं बुलबुल रिंग	05 मिनट
सिक्स गीत, प्रार्थना बुलबुल ग्रीटिंग	10 मिनट
एक्शन गीत	05 मिनट
स्वयं का प्रभाव जानना (पोशाक तथा जूते आदि) साफ सुथरे हो तथा वस्त्र में बटन लगा सकें	20 मिनट
घुटनों को मोड़ना तथा अंगूठा छूना व्यायाम खेल (छुपना तथा खोजना)	05 मिनट
प्रत्यक्ष-कार्य सिक्स के साथ (रीफ नॉट व क्लोग हिच)	10 मिनट
अन्तिम घोषणा व समापन	05 मिनट
	60 मिनट

नमूना-कम्पनी मीटिंग (75 मिनट) गाइड्स हेतु

एकत्र होना प्रार्थना व ध्वज	05 मिनट
सक्रिय खेल	10 मिनट
अभ्यास (कम्पनी बनावट)	10 मिनट
रिले दौड़ (पैट्रोल प्रतियोगिताएं)	10 मिनट
बैज वर्क (पैट्रोल कॉर्नर)	15 मिनट
गाइडर्स यार्न (नियम का भाग)	10 मिनट
टीम खेल	10 मिनट
एकत्र होना उद्घोषणा तथा समापन	05 मिनट
	75 मिनट

नमूना-टीम मीटिंग (105 मिनट) रेंजर्स हेतु

5.00 ओपनिंग रस्म - प्रार्थना, ध्वज उद्घोषणा तथा दलीय खेल (रेंजर लीडर)।

5.10 अपने कर्तव्य निर्धारण मिलन साथी से डायरी पढ़ना (पूर्व मीटिंग की कार्यवाही)।

5.13 खजांची द्वारा चन्दा एकत्र करना।

5.15 टीम (टोली) (Business) यह सब ड्यूटी मेट के नेतृत्व में किया जाए। मुद्दों पर विचार होना चाहिए।

अन्य (Business) जो लॉग बुक में न हो

खजांची द्वारा आर्थिक ब्यौरा।

अगर कोई कमेटी किसी विशेष प्रयोजन हेतु बनाई गई है तो कमेटी के चेयरमैन प्रगति ब्यौरा देंगे।

सफलताओं का संरक्षण करे जो प्रतिभागियों ने प्राप्त की।

5.25 मनोरंजन शानदार एक्शन गीत।

5.30 टोली खोज (सामूहिक प्रशिक्षण) जो कि प्राथमिक उपचार में विशेष प्रशिक्षण हो सकता हैं।

6.00 सहयोगी प्रकरण।

6.05 व्यक्तिगत खोज या तो कार्यरत हो और टीम (टोली) को सूचना देना तथा परियोजना की प्राप्तियाँ अथवा उन्नति।

6.30 मनोरंजन।

6.35 रेंजर लीडर के यार्न।

6.40 समापन रस्म/उद्घोषणाएं आदि।

6.45 विसर्जन।

नमूना-पैक मीटिंग (60 मिनट) कब हेतु

एकत्र होना निरीक्षण	05 मिनट
कब ग्रीटिंग प्रार्थना ध्वज	05 मिनट
इन्टर सिक्स रिले (दौड़)	05 मिनट
सिक्स द्वारा प्ले एक्टिंग 10 मिनट, तैयारी 10 मिनट प्रस्तुतीकरण	20 मिनट
सिक्स के साथ अभ्यास कार्य (रीफ नॉट व क्लोव हिच)	10 मिनट
खेल (छुपना व खेलना)	05 मिनट
घर वापसी (निरीक्षण)	05 मिनट
कब ग्रीटिंग-ध्वज उतारना	05 मिनट
	60 मिनट

नमूना-ट्रूप मीटिंग (75 मिनट) स्काउट्स हेतु

एकत्रीकरण प्रार्थना, ध्वज आदि	05 मिनट
सक्रिय खेल	10 मिनट
पायनियरिंग, गाँठों के अभ्यास पैट्रोल कॉर्नर	15 मिनट
टोली मध्य प्रतियोगिताऔं (उपरोक्त अभ्यास जैसे)	10 मिनट
शान्तिमय खेल (साइलेंट गेम)	10 मिनट
बैज वर्क पेट्रोल कॉर्नर में	15 मिनट
एक्शन सांग	05 मिनट
समापन औपचारिकतायें	05 मिनट
	75 मिनट

नमूना-क्रू मीटिंग (105 मिनट) रोवर्स हेतु

5.00 शुभारम्भ प्रार्थना, ध्वज उद्घोषणा तथा ग्रुप गेम (रोवर स्काउट लीडर)।

5.10 साथी ड्यूटी पर लॉग बुक पढ़ना (पूर्व मीटिंग कार्यवाही)।

5.13 खजांची द्वारा शुल्क जमा करना।

5.15 टोली व्यापार; ड्यूटी मेट के नेतृत्व में मुद्दों पर विचार किया जा सकता है।

अन्य कार्य जो लॉग बुक में लिखा हो।

कोषाध्यक्ष द्वारा आर्थिक ब्यौरा, अगर किसी उद्देश्य से बनाया गया है तो कमेटी अध्यक्ष उन्नति ब्यौरा देंगे।

प्रतिभागी द्वारा प्राप्तियों की रिपोर्ट।

5.25 मनोरंजन शानदार एक्शन गीत।

5.30 टीम खोज (सामूहिक प्रशिक्षण) जो कि प्राथमिक उपचार में विशेष प्रशिक्षण हो सकता है।

6.00 सहयोगी विषय।

6.05 व्यक्तिगत खोज या तो कार्यरत, और ब्यौरा देने वाली टीम परियोजना की प्राप्तियाँ/उन्नति का ब्यौरा दें।

6.30 मनोरंजन।

6.35 रोवर स्काउट लीडर के यार्न।

6.40 समापन रस्म उद्घोषणा आदि।

6.45 विसर्जन।

यूनिट लीडर की उन्नति

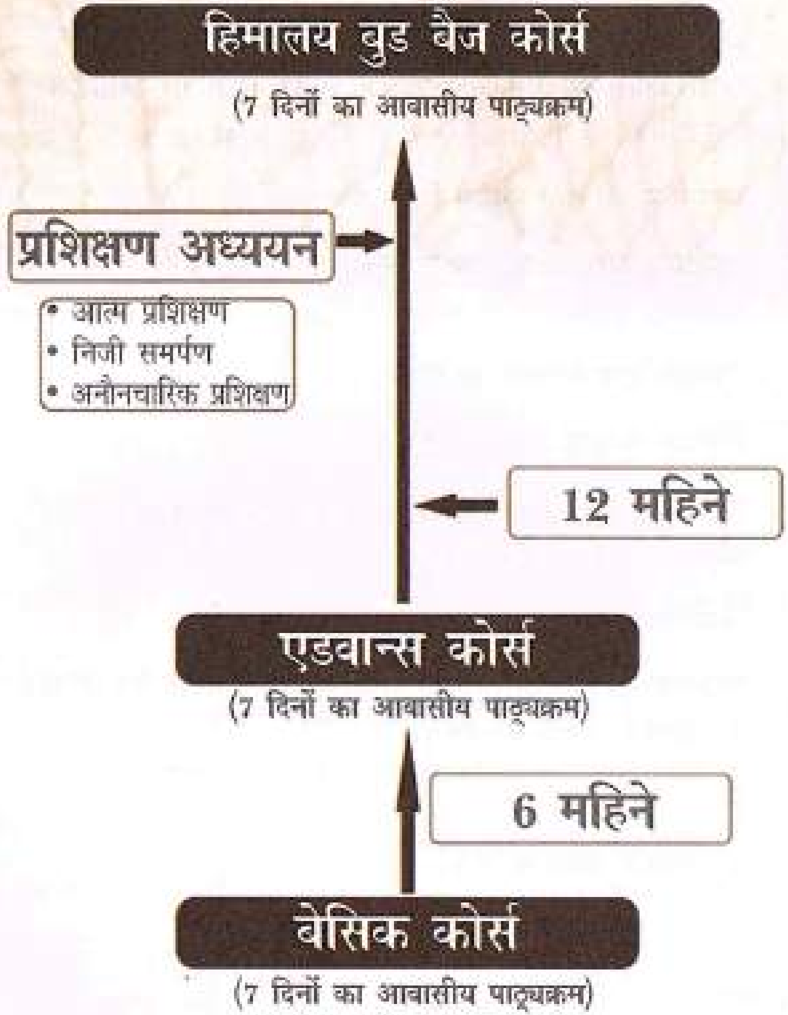

विविध

प्रार्थना

दया कर दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना ।
दया करना हमारी आत्मा में शुद्धता देना ।

हमारे ध्यान में आओ प्रभु आँखों में बस जाओ ।
अंधेरे दिल में आकर के परम ज्योति जगा देना ।

बहा दो प्रेम की गंगा दिलों में प्रेम का सागर ।
हमें आपस में मिलजुल कर प्रभु रहना सिखा देना ।

हमारा कर्म हो सेवा हमारा धर्म हो सेवा ।
सदा ईमान हो सेवा व सेवक चर बना देना ।

वतन के वास्ते जीना वतन के वास्ते मरना ।
वतन पर जाँ फिदा करना प्रभु हमको सिखा देना ।

दया कर दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना ।
दया करना हमारी आत्मा में शुद्धता देना ।

Youtube link: https://youtu.be/ohRshnLsn_u

झण्डा गीत

भारत स्काउट गाइड झण्डा ऊँचा सदा रहेगा ।

ऊँचा सदा रहेगा झण्डा ऊँचा सदा रहेगा ।

नीला रंग गगन सा विस्तृत भ्रातृ भाव फैलाता ।

त्रिदल कमल नित तीन प्रतिज्ञाओं की याद दिलाता ।

और चक्र कहता है प्रतिपल आगे कदम बढ़ेगा ।

ऊँचा सदा रहेगा झण्डा ऊँचा सदा रहेगा ।

भारत स्काउट स्काउट गाइड झण्डा ऊँचा सदा रहेगा ।

Youtube link: https://youtu.be/U1X1jK43M3w

हमारे आधार-भूत तत्वः

परिभाषा

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स नवयुवकों के लिए एक स्वयं सेवी, गैर सरकारी, शैक्षिक आन्दोलन है जो किसी मूल, जाति और वंश के भेदभाव से मुक्त प्रत्येक व्यक्ति के लिये खुला है। यह 1907 में संस्थापक लार्ड बैडन पॉवल द्वारा संकल्पित किये गये लक्ष्य, सिद्धान्त तथा पद्धति के अनुरूप है।

स्काउटिंग/गाइडिंग का स्वयंसेवी चरित्र इस बात पर जोर देता है कि इससे जुड़े हुए सदस्य इसके मूल तत्व को स्वेच्छा से स्वीकार करते है।

उद्देश्य

आन्दोलन का उद्देश्य नवयुवकों के विकास में इस तरह योगदान करना है, जिससे उनकी पूर्ण शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक तथा आध्यात्मिक अन्तः शक्तियों की प्राप्ति हो, ताकि वे व्यक्तिगत रूप से, जिम्मेदार नागरिकों के रूप में तथा स्थानीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय समुदायों के सदस्यों के रूप में उपयोगी सिद्ध हो सकें।

यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि स्काउटिंग/गाइडिंग का मुख्य ध्येय एक जिम्मेदार नागरिक होना हैं जिसे विस्तृत सन्दर्भ में समझना चाहिए।

एक व्यक्ति सर्वप्रथम अपने आप में एक इकाई है। यह व्यक्ति अपने समाज जो कि राजनैतिक संरचना का हिस्सा है जिसका मतलब है सार्वभौमिक राज्य अथवा देश। एक जिम्मेदार नागरिक को अपने समाज के प्रति अधिकार और जिम्मेदारियों से परिचित होना चाहिए।

सिद्धान्त

सिद्धान्त वो मौलिक कानून एवं विश्वास है जिन्हें उद्देश्य को प्राप्त करते समय ध्यान में रखना चाहिए। ये वो आचार संहिता है जो आन्दोलन के सभी सदस्यों की विशेषता को दर्शाती है।

स्काउटिंग/गाइडिंग तीन सिद्धान्तों पर आधारित है जो इसके मौलिक नियमों एवम् विश्वास को दर्शाते है। वे इस प्रकार हैं:

"ईश्वर के प्रति कर्त्तव्य"

"दूसरों के प्रति कर्त्तव्य" एवं

"स्वयं के प्रति कर्त्तव्य"

ईश्वर के प्रति कर्त्तव्य :

आध्यात्मिक सिद्धान्तों के प्रति दृढ़ता, इन्हें अभिव्यक्त करने वाले धर्म के प्रति वफादारी तथा इनसे उत्पन्न कर्त्तव्यों को स्वीकार करना।

दूसरों के प्रति कर्त्तव्य :

स्थानीय, राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शांति, समझ और सहयोग की भावना से समन्वय रखते हुए अपने देश के प्रति वफादारी।

अपने साथियों की गरिमा तथा विश्व प्रकृति की अखंडता के प्रति अभिज्ञान तथा सम्मान के साथ समाज के विकास में भागीदारी।

हमारी देशभक्ति व्यापक, महान प्रकार की होनी चाहिए जो दूसरों के दावों में न्याय और औचित्य को मान्यता देती है और जो देश को विश्व के अन्य देशों के साथ सहयोग करने की ओर ले जाती हैं।

इस क्षेत्र में पहला कदम हमारी अपनी सीमाओं के अन्दर शांति एवं सद्भाव विकसित करने के लिए हैं दोनो लिंगों के हमारे युवाओं को उनके जीवन की आदत के रूप में अपने अभ्यास के लिए प्रशिक्षण द्वारा तैयार करें जिससे शहर के खिलाफ, शहर की ईर्ष्या, वर्ग के खिलाफ, वर्ग की ईर्ष्या आदि न रहे तथा इस अच्छी भावना का विस्तार हमारे पड़ोसियों तक हो सके।

स्वयं के प्रति कर्त्तव्य :

स्वयं के विकास के लिये उत्तरादायित्व।

एक व्यक्ति को अपनी क्षमताओं के विकास की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। यह स्काउट आन्दोलन के शैक्षिक उद्देश्य के साथ पूरी तरह से सद्भाव में है जिसका उद्देश्य क्षमताओं के पूर्व विकास में युवा व्यक्ति की सहायता करना एक ऐसी प्रक्रिया है जिसे व्यक्तित्व का अनसुलझा भाग कहा जाता है। इस संदर्भ में प्रतिज्ञा व नियम की भूमिका अत्यंत मौलिक है।

पद्धति

स्काउट/गाइड पद्धति, निम्न पर आधारित आत्म-शिक्षा की एक प्रगतिशील प्रणाली है :

- प्रतिज्ञा तथा नियम।
- स्वयं करके सीखना।
- वयस्क नेतृत्व में छोटे समूहों की सदस्यता जिसमें उत्तरोत्तर अन्वेषण निहित हो तथा चारित्रिक विकास, क्षमता प्राप्ति, आत्मविश्वास, विश्वसनीयता तथा नेतृत्व करने एवं सहयोग करने की योग्यता की दिशा में प्रशिक्षण एवं स्व-शासन के प्रति सम्मान एवं उत्तरदायित्व की स्वीकृति हो।
- प्रतिभागियों की रूचियों पर आधारित विभिन्न गतिविधियों के प्रगतिशील तथा प्रेरक कार्यक्रम जिनके अन्तर्गत खेल, उपयोगी कौशल तथा सामुदायिक सेवा हैं जो ज्यादातर बाह्य वातावरण में प्रकृति के सम्पर्क में हों।

कब सेल्यूट

बुलबुल सेल्यूट

स्काउट सेल्यूट

गाइड सेल्यूट

रोवर सेल्यूट

रेंजर सेल्यूट

सम्पूर्ण कब गणवेश

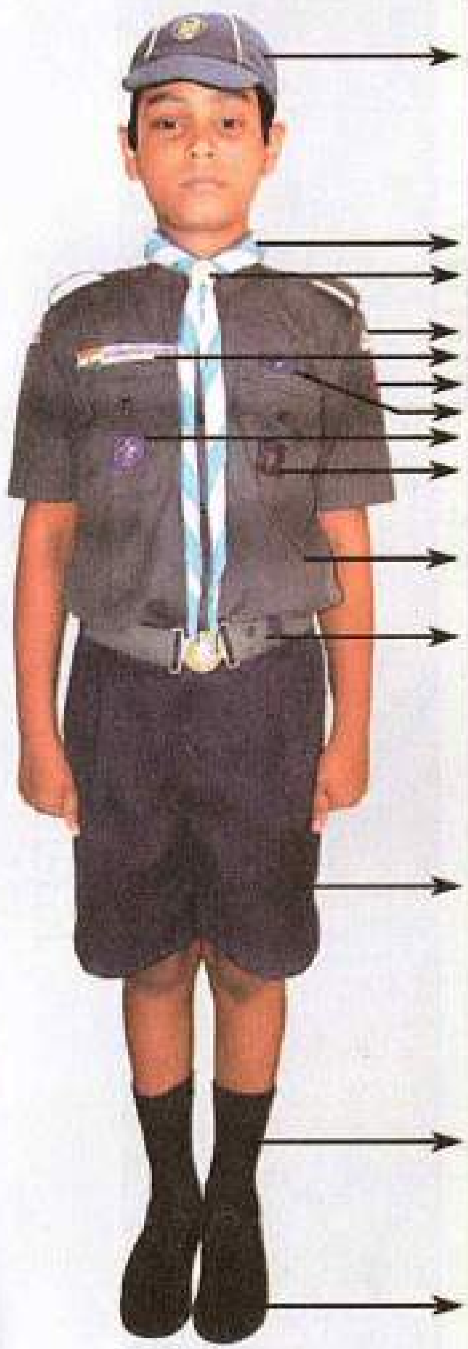

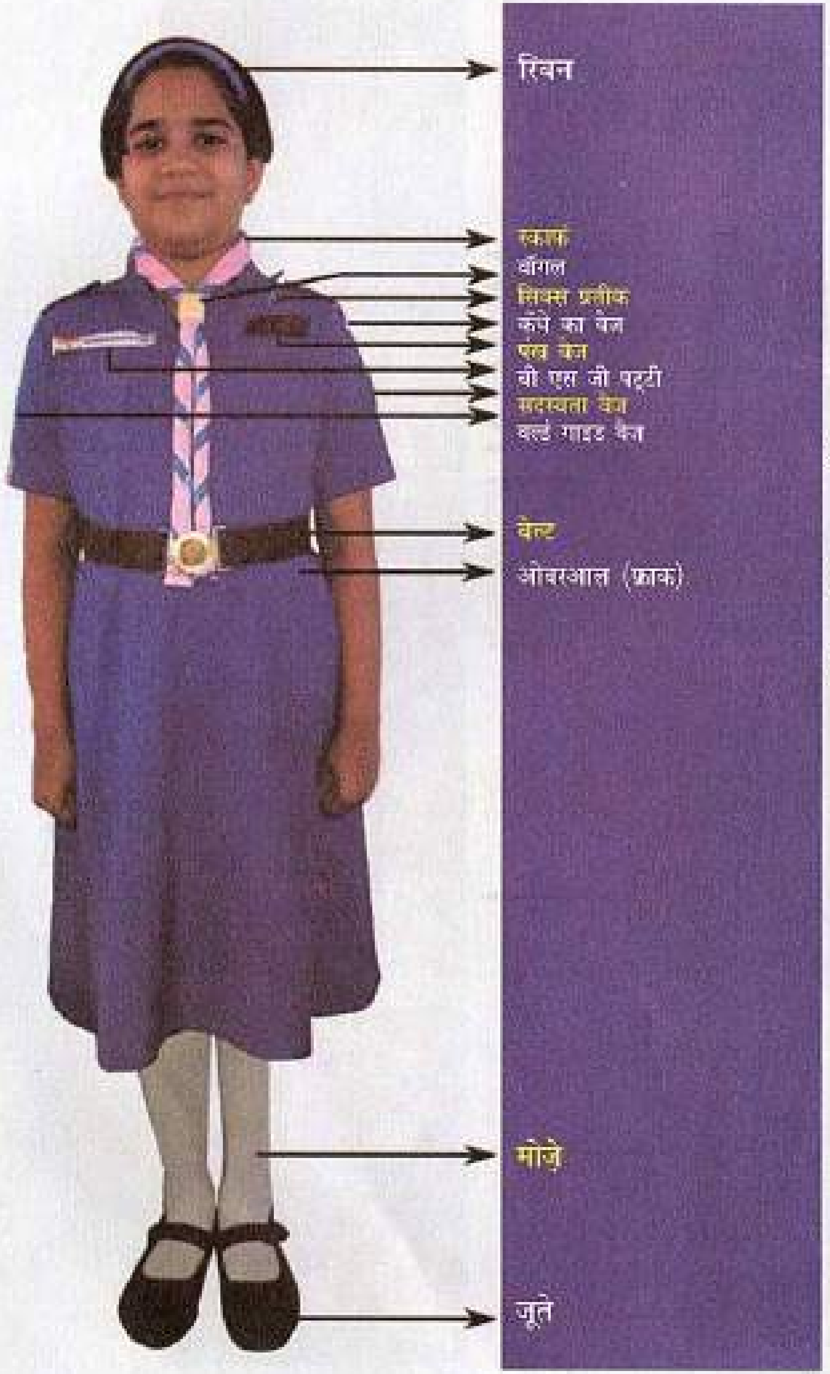

सम्पूर्ण बुलबुल गणवेश

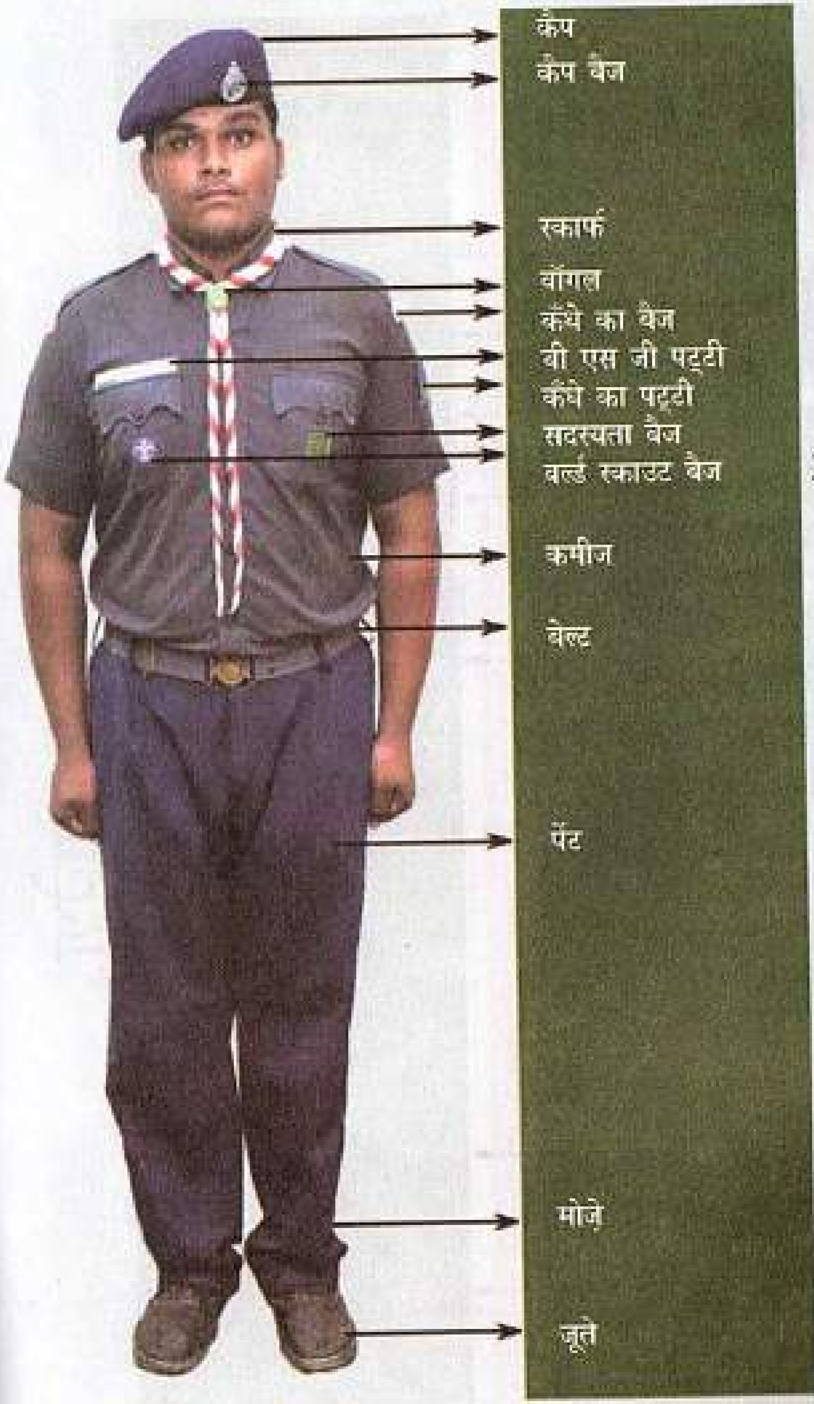

सम्पूर्ण स्काउट गणवेश

सम्पूर्ण गाइड गणवेश

सम्पूर्ण रोवर गणवेश

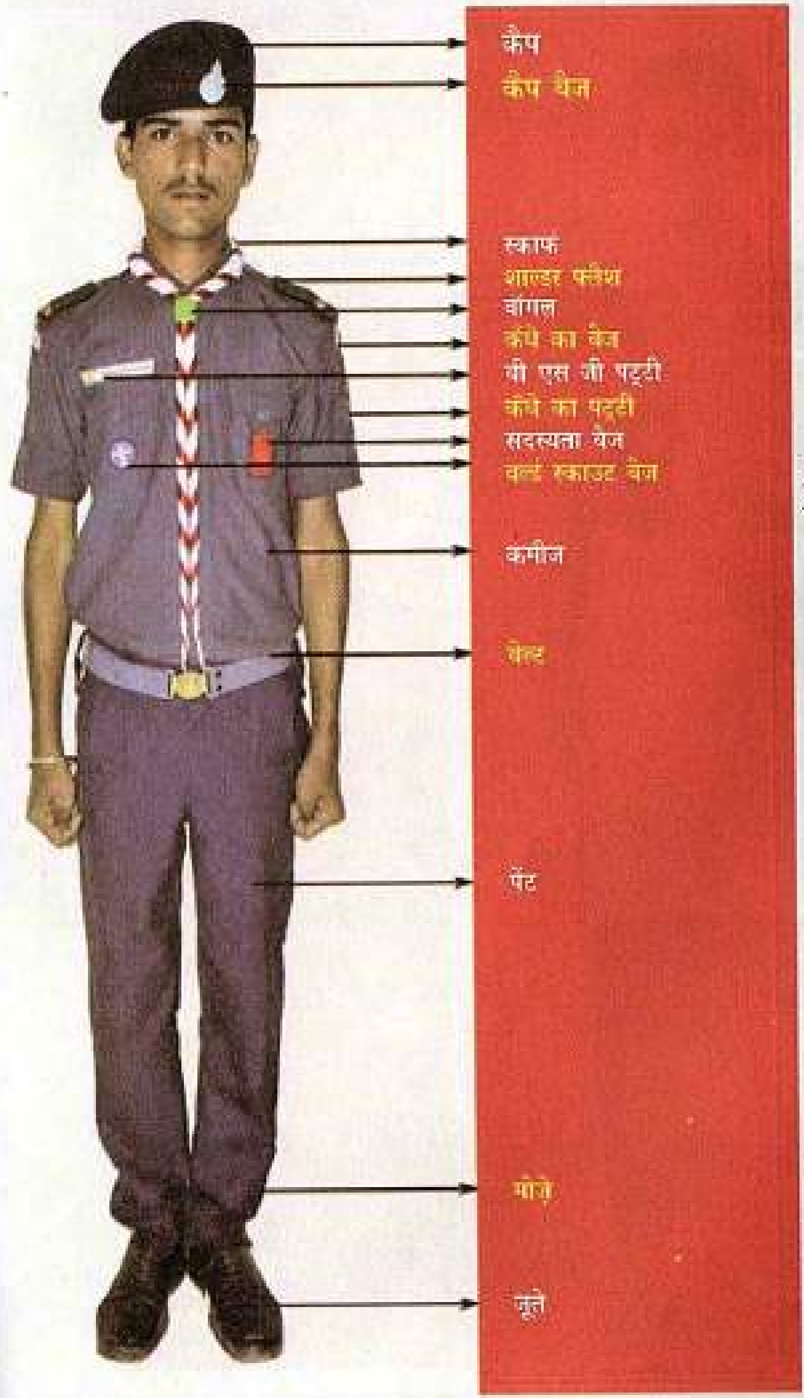

सम्पूर्ण रेंजर गणवेश

Join us

ENJOY THE ADVENTURES OF SCOUTING/GUIDING

THE BHARAT SCOUTS AND GUIDES

NATIONAL ADVENTURE INSTITUTE, PACHMARHI, (MADHYA PRADESH)

Contact us : nai@bsgindia.org

NATIONAL YOUTH COMPLEX, GADPURI, (HARYANA)

Contact us : nyc@bsgindia.org

NATIONAL ADVENTURE INSTITUTE, KURSEONG, DARJEELING (WEST BENGAL)

Contact us : adventure@bsgindia.org